चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	07.07.2020	02	02-04

अभिकलन की तकनीकों का शोध में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. केपी सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

प्रो. केपी सिंह।

उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सतत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विभागाध्यक्ष प्रो. मंजू सिंह टांक ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया और बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 430 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 240 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए हैं। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस वेबिनार में गणित व सांख्यिकी विषय के शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढू व थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ. ईशा धीमान ने विचार रखे। प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि वेबिनार के दूसरे चरण में अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। वेबिनार का संचालन विभाग की शोध छात्राओं प्रीति व फागुन मेहता ने किया।

एचएयू में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार शुरू

इधर, एचएयू के होम साइंस कॉलेज में 'एडिंग मीनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' पर ट्रेनिंग दी गई

हिसार | एचएयू के होम साइंस कॉलेज में ऑनलाइन ट्रेनिंग में छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। इसका आयोजन एचएयू के वीसी प्रोफेसर के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश पर विवि में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के तहत किया गया। इस प्रशिक्षण में महाविद्यालय की 100 से अधिक छात्राओं के अलावा खाद्य एवं पोषण विभाग की अनेक पूर्व छात्राओं ने भी हिस्सा लिया जो विभिन्न अस्पतालों में आहार विशेषज्ञ के पद पर काम कर रही हैं।

होम साइंस कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन ट्रेनिंग का शीर्षक खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'एडिंग मीनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' रहा। संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. एसके सहरावत की देखरेख में आयोजन किया गया था। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस तरह की ट्रेनिंग छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु ने बताया कि खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा हरियाणा की आबादी का पोषण स्तर जानने के लिए अनेक प्रकार के सर्वेक्षण किए जाते हैं। इस प्रकार एकत्रित जानकारी व आंकड़ों को सही तरीके से समझने व निष्कर्ष निकालने के लिए सॉफ्टवेयर का सही इस्तेमाल आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.07.2020	02	02-03

अभिकलन की तकनीकों का शोध में महत्वपूर्ण योगदान

एचएयू में अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक विषय पर आयोजित वेबिनार में प्रो. केपी सिंह ने रखे विचार

जासं, हिसार: अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने व्यक्त किए।

उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सतत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा। अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजबीर सिंह ने इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विभागाध्यक्ष प्रो. मंजू सिंह टांक ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस वेबिनार में गणित व सांख्यिकी विषय के शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डा. पूनम रेदू व थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डा. ईशा धीमान ने अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	07.07.2020	03	02-03

दो डिग्री सेल्सियस तक गिरा दिन और रात का तापमान

जागरण संवाददाता, हिसार : मानसून फिर से सक्रिय है, मगर बारिश रह रहकर हो रही है। रविवार को हुई बारिश से तापमान में कमी आ गई है। सोमवार को दिन व रात्रि तापमान में दो-दो डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। हिसार में अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तो न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा। हिसार में आने वाली 10 जुलाई तक तापमान में नरमी देखने को मिल सकती है। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विज्ञानियों ने भी इस ओर इशारा कर दिया है। गौरतलब है कि रविवार को मानसून की बारिश के कारण 7.4 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खीचड़ ने बताया कि राज्य में मानसून के फिर से सक्रिय हो जाने से राज्य में ज्यादातर क्षेत्रों में 10 जुलाई तक बीच बीच में बादलवाई व कहीं कहीं हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश संभावित है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	07.07.2020	12	01-02

हकृवि में अनुप्रयुक्त विज्ञान विषय पर वेबिनार का आयोजन

हिसार। अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सत्तत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होने आशा व्यक्त की कि यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 430 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	07.07.2020	12	08

आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी

हिसार। हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का आयोजन विवि कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशा-निर्देश पर विश्वविद्याय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के तहत किया गया।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा एडिंग माइनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा शीर्षक से किया गया था। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. एसके सहरावत कि देखरेख में किया गया था। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं।

- हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित

विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु ने बताया की खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा हरियाणा की आबादी का पोषण स्तर जानने के लिए अनेक सर्वेक्षण किए जाते हैं। इस प्रकार एकत्रित जानकारी तथा आंकड़ों को सही तरीके से समझने तथा निष्कर्ष निकालने के लिए सॉफ्टवेयर का सही इस्तेमाल आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सही सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल छात्राओं को पोषक तत्वों से भरपूर नए उत्पादों का निर्माण करने व परम्परागत खाद्य पदार्थों का पोषण मान जानने में सहायक सिद्ध हो सकता है। सॉफ्टवेयर के प्रयोग द्वारा आम जनता के पोषण स्तर को समझ कर उचित दिशा निर्देश दे सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	07.07.2020	04	01-04

रिटायर्ड वैज्ञानिकों का समर्पण, बिना वेतन कर रहे काम

सरकार के आदेशों पर रिलीव करने के बाद वैज्ञानिकों ने किया निवेदन, नौ वैज्ञानिकों व चार कर्मियों को दी अनुमति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रिटायर्ड वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के प्रति समर्पण भावना की मिसाल पेश की है।

रिटायरमेंट के बाद भी विवि में काम कर रहे इन वैज्ञानिकों व कर्मचारियों को रिलीव करने के बाद वैज्ञानिकों ने कुलपति से निवेदन किया कि उन्हें विवि में सेवा का मौका दें, इसके लिए वे किसी भी तरह का वेतन व अन्य फंड नहीं लेंगे। इसके बाद विवि प्रशासन ने नौ वैज्ञानिकों और चार कर्मचारियों को उनके बेहतर स्वास्थ्य के आधार पर विवि में रिसर्च और एक्सटेंशन वर्क के लिए अनुमति दे दी।

बता दें कि रिटायरमेंट के बाद इन वैज्ञानिकों को विवि में दोबारा नियुक्त किया गया था, लेकिन कोरोना संकट के दौरान सरकार के निर्देशों के बाद उन्हें रिलीव कर दिया गया। सरकार का तर्क था कि 60 वर्ष की उम्र पार कर चुके ये व्यक्ति कोरोना संकट के चलते घर में रहकर अपनी स्वास्थ्य की देखभाल करें और उन्हें रिलीव करने से सरकार का फंड भी बचेगा।

ये वैज्ञानिक और कर्मचारी हैं शामिल

बिना वेतन काम कर रहे वैज्ञानिकों में डॉ. सुरजीत सिंह, डॉ. अशोक यादव, डॉ. अवतार सिंह, डॉ. राजबीर सिंह श्योराण, डॉ. रीटा गोयल, डॉ. जगदेव सिंह, डॉ. एसएस सिंधू, डॉ. वीना जैन, डॉ. कुलबीर निड़ानियां शामिल हैं। एथलेटिक कोच ओपी भादू, सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट वीरेंद्र सिंह, कुक दुर्गादत्त, असिस्टेंट जगदीश राय शामिल हैं।

> हमारा जीवन विवि और किसानों की सेवा में गुजरा है। हम चाहते हैं कि हमारा ज्ञान किसानों तक पहुंचता रहे। दूसरा विवि ने हमें बहुत कुछ दिया है। हम बिना वेतन के भी विवि की सेवा कर सकते हैं और कर रहे हैं।
> **- डॉ. अवतार सिंह, पूर्व एटिक मैनेजर एवं वैज्ञानिक**

> हम विवि और किसानों की सेवा करना चाहते हैं, इसलिए दोबारा आगे आए। वेतन की हमें अब इतनी जरूरत भी नहीं है। किसानों के साथ जुड़े रहें और उनकी मदद करते रहें, बस यही उद्देश्य है।
> **- डॉ. अशोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एग्रीकल्चर कॉलेज (एचएयू), बावल, रेवाड़ी**

> किसी भी संस्थान को आगे बढ़ने के लिए ऐसे समर्पण भावी लोगों की जरूरत होती है, जो हमारे पास हैं। हमें सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों पर गर्व है।
> **- प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू हिसार**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	07.07.2020	04	05

आहार योजना सॉफ्टवेयर की दी जानकारी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'एडिंग मिनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' शीर्षक से किया गया था। इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	06.07.2020	--	--

अभिकलन की तकनीकों का शोध में महत्वपूर्ण योगदान : वीसी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार शुरू

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा है कि अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। प्रो. सिंह ऑनलाइन माध्यम से मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सतत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया और बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 430 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 240 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए हैं। इस वेबिनार में गणित व सांख्यिकी विषय के शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेहू व थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान ने अपने विचार रखे।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि वेबिनार के दूसरे चरण में अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। वेबिनार का संचालन विभाग की शोध छात्राओं प्रीति व फागुन मेहता ने किया।

ऑनलाइन माध्यम से दी आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी

हिसार (नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश पर विश्वविद्यालय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के तहत किया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'एडिंग मिनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' शीर्षक से किया गया था। संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. एस.के. सहरावत कि देखरेख में किया गया था। डॉ. विमला ढांडा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु ने बताया की खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा हरियाणा की आबादी का पोषण स्तर जानने हेतु अनेक प्रकार के सर्वेक्षण किए जाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.07.2020	--	--

अभिकलन की तकनीकों का शोध में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. सिंह

हकृवि में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार शुरू

हिसार। अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सत्तत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होने आशा व्यक्त की कि यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया और बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 430 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 240 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए हैं। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस वेबिनार में गणित व सांख्यिकी विषय के शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढ़ू व थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान ने अपने विचार रखे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि वेबिनार के दूसरे चरण में अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। वेबिनार का संचालन विभाग की शोध छात्राओं प्रीति व फागुन मेहता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.07.2020	--	--

ऑनलाइन माध्यम से दी आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी

हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश पर विश्वविद्याय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के तहत किया गया।

यह जानकारी देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'एडिंग मिनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' शीर्षक से किया गया था। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. एस.के. सहरावत कि देखरेख में किया गया था। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु ने बताया की खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा हरियाणा की आबादी का पोषण स्तर जानने हेतु अनेक प्रकार के सर्वेक्षण किये जाते हैं। इस प्रकार एकत्रित जानकारी व आंकड़ों को सही तरीके से समझने व निष्कर्ष निकालने के लिए सॉफ्टवेयर का सही इस्तेमाल आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सही सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल छात्राओं को पोषक तत्वों से भरपूर नए उत्पादों का निर्माण करने व परम्परागत खाद्य पदार्थों का पोषण मान जानने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सही सॉफ्टवेयर के प्रयोग द्वारा आम जनता के पोषण स्तर को समझ कर उन्हें उचित दिशा निर्देश भी दे सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में महाविद्यालय की 100 से अधिक छात्राओं के अलावा खाद्य एवं पोषण विभाग की अनेक पूर्व छात्राओं ने भी भाग लिया जो विभिन्न हस्पतालों में आहार विशेषज्ञ के पद पर काम कर रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.07.2020	--	--

अभिकलन की तकनीकों का शोध में महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. केपी सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय वेबिनार के शुभारंभ पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सतत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह वेबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विभागाध्यक्ष

हकृवि में 'अनुप्रयुक्त विज्ञान के लिए कम्प्युटेशनल तकनीक' विषय पर वेबिनार शुरू

प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया और बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 430 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 240 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए हैं। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस वेबिनार में गणित व सांख्यिकी विषय के शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढ़ू व थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान ने अपने विचार रखे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि वेबिनार के दूसरे चरण में अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। वेबिनार का संचालन विभाग की शोध छात्राओं प्रीति व फागुन मेहता ने किया।

हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय में ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आत्मर योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश पर विश्वविद्याय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के तहत किया गया। यह जानकारी देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'एडिंग माइनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' शीर्षक से किया गया था। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. एस.के. सहरावत कि देखरेख में किया गया था। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु ने बताया की खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा हरियाणा की आबादी का पोषण स्तर जानने के लिए अनेक प्रकार के सर्वेक्षण किये जाते हैं। इस प्रकार एकत्रित जानकारी व आंकड़ों को सही तरीके से समझने व निष्कर्ष निकालने के लिए सॉफ्टवेयर का सही इस्तेमाल आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सही सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल छात्राओं को पोषक तत्वों से भरपूर नए उत्पादों का निर्माण करने व परम्परागत खाद्य पदार्थों का पोषण मान जानने में सहायक सिद्ध हो सकता है। इसी प्रकार सही सॉफ्टवेयर के प्रयोग द्वारा आम जनता के पोषण स्तर को समझ कर उन्हें उचित दिशा निर्देश भी दे सकती हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में महाविद्यालय की 100 से अधिक छात्राओं के अलावा खाद्य एवं पोषण विभाग की अनेक पूर्व छात्राओं ने भी भाग लिया जो विभिन्न हस्पतालों में आत्मर विशेषज्ञ के पद पर काम कर रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	06.07.2020	--	--

ऑनलाइन माध्यम से दी आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी

पल पल न्यूज: हिसार, 6 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश पर विश्वविद्यालय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के तहत किया गया। यह जानकारी देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'एडिंग मिनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' शीर्षक से किया गया था। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. एस.के. सहरावत कि देखरेख में किया गया था। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु ने बताया की खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा हरियाणा की आबादी का पोषण स्तर जानने हेतु अनेक प्रकार के सर्वेक्षण किये जाते हैं। इस प्रकार एकत्रित जानकारी व आंकड़ों को सही तरीके से समझने व निष्कर्ष निकालने के लिए सॉफ्टवेयर का सही इस्तेमाल आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सही सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल छात्राओं को पोषक तत्वों से भरपूर नए उत्पादों का निर्माण करने व परम्परागत खाद्य पदार्थों का पोषण मान जानने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	06.07.2020	--	--

आंकड़ा विश्लेषण का शोध कार्यों को शिखर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति

हिसार/06 जुलाई/रिपोर्टर

अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने व्यक्त करते हुए कहा कि सत्तत अनुकरण, कृत्रिम तकनीकों व आंकड़ा विश्लेषण का कृषि वैज्ञानिकों व अनुप्रयुक्त वैज्ञानिकों के शोध कार्यों को शिखर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह वैबिनार सभी प्रतिभागियों के शिक्षा व शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में लाभदायक सिद्ध होगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने इस वेबिनार के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि वैबिनार के लिए लगभग 430 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 240 से अधिक प्रतिभागी इस वैबिनार में शामिल हुए हैं। वैबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस वैबिनार में गणित व सांख्यिकी विषय के शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से डॉ. पूनम रेढू व थापर विश्वविद्यालय, पटियाला से डॉ.ईशा धीमान ने विचार रखे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि वैबिनार के दूसरे चरण में अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा से डॉ. नीरज कुमार और राजकीय महाविद्यालय नलवा से डॉ. कोमल मलिक अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। वेबिनार का संचालन विभाग की शोध छात्राओं प्रीति व फागुन मेहता ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	06.07.2020	--	--

आहार योजना सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

हिसार/06 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा 'एडिंग मिनिंग टू न्यूट्रिशनल डाटा' शीर्षक से किया गया था। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक डॉ. एस.के. सहरावत कि देखरेख में किया गया था। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम से जोड़े हुए हैं और उन्हें पाठ्यक्रम से हटकर जानकारी उपलब्ध करवाकर उनके सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंधु ने बताया की खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा हरियाणा की आबादी का पोषण स्तर जानने हेतु अनेक प्रकार के सर्वेक्षण किये जाते हैं। इस प्रकार एकत्रित जानकारी व आंकड़ों को सही तरीके से समझने व निष्कर्ष निकालने के लिए सॉफ्टवेयर का सही इस्तेमाल आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सही सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल छात्राओं को पोषक तत्वों से भरपूर नए उत्पादों का निर्माण करने व परम्परागत खाद्य पदार्थों का पोषण मान जानने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**06.07.2020**	--	--

H.A.U में ऑनलाइन माध्यम से दी आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी

July 6, 2020 • Rakesh • Haryana News

यूनिक हरियाणा हिसार : 6 जुलाई 2020

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आहार योजना सॉफ्टवेयर की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश पर विश्वविद्याय में चल रहे संस्थागत विकास योजना प्रोजेक्ट के तहत किया गया।

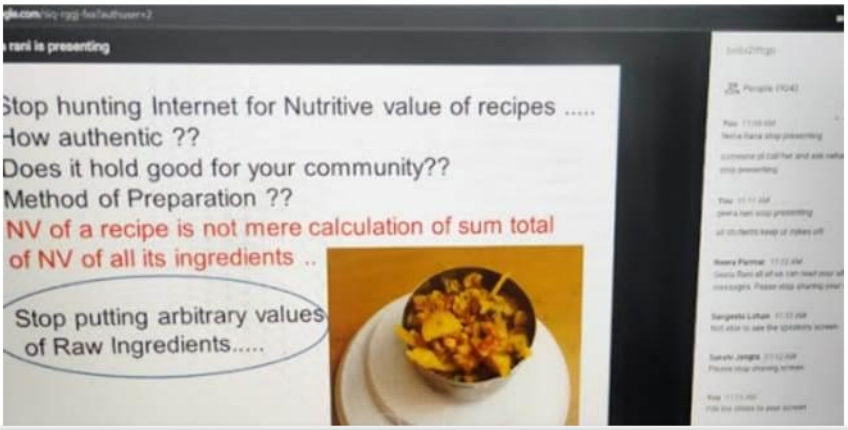

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	06.07.2020	--	--

हिसार : 6 जुलाई 2020

अभिकलन की तकनीकों का कृषि विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान व व्यावहारिक विज्ञान के शोध में हमेशा से ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान समय में कम्प्यूटर तकनीकों के विकास के कारण इसकी भूमिका और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने व्यक्त किए।